अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 21-12-2024

समय सीमा : 3 घंटा षष्ठम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पच्चीस बोल, तत्त्व चर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 **पच्चीस बोल**–(किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें)– 5

(क) रूप किस इन्द्रिय का विषय है?

(ख) अजीव के भेद कितने हैं? केवल संख्या बतायें।

(ग) सम्यक् मिथ्या दृष्टि किसे कहते हैं?

(घ) संवर तत्त्व का चौदहवां भेद कौन सा है?

(ड़) भण्डोपकरण रखने में अयत्ना करना किसका भेद है?

(च) उपयोग का आठवां भेद कौन सा है?

(छ) छह कोटि त्याग का भांगा लिखें।

प्र. 2 **तत्त्व चर्चा**–(किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें)– 5

(क) पांच चारित्र छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) बंध रूपी या अरूपी?

(ग) वीतराग की आज्ञा आराधक है या विराधक?

(घ) आश्रव हेय है या उपादेय? क्यों?

(ड़) काल छह में कौन? नौ में कौन?

(च) सावद्य जीव या अजीव?

(छ) छह द्रव्य में सप्रदेशी कितने? अप्रदेशी कितने?

प्र. 3 **पच्चीस बोल की चर्चा**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें (किसमें और कौन-कौन से)– 6

(क) नौ उपयोग देवता के अलावा और किन-किन में व कौन-कौन से पाये जा सकते हैं?

(ख) लब्धि व अलब्धि का क्या अर्थ है?

(ग) विकलेन्द्रिय शब्द का अर्थ क्या है? व इसमें कौन-कौन सी इन्द्रियां आती है?

(घ) बीस दण्डक किसमें व कौन-कौन से पाते हैं?

(ड़) परिहार विशुद्धि चारित्र में कितने व कौन से योग होते हैं, नाम बतायें।

प्र. 4 **चतुर्भंगी**–(किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें)– 4

(क) किस आश्रव के जीव कम, किस आश्रव के जीव अधिक?

(ख) योग आत्मा किस कर्म का उदय भाव है?

(ग) जब तक गति बंधी हुई रहती है क्या कहलाती है?

(घ) तेरहवें गुणस्थान में कितने प्राण पाते हैं?

(ड़) तुम्हारे में मोक्ष तत्त्व के भेद कितने?

(च) दण्डक किस कर्म का उदय?

प्रतिक्रमण, जैन तत्त्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) कर्म प्रकृति–20

प्र. 5 **जैन तत्त्व प्रवेश**–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) पूर्व अवस्था के अनुसार सिद्धों के कितने भेद किये गये हैं नाम लिखें?

(ख) रूपी अरूपी द्वार लिखें?

(ग) ज्ञानावरणीय, अन्तराय कर्म के क्षयोपशम से होने वाली अवस्थाएं लिखें?

(घ) हेय-ज्ञेय-उपादेय द्वार लिखें?

(ड़) वेदनीय कर्म बंध के कारण लिखें।

प्र. 6 **प्रतिक्रमण**–किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखें– 5

(क) तीसरा अणुव्रत व उसके अतिचार लिखें? ***अथवा*** प्रायश्चित सूत्र लिखें।

प्र. 7 **कर्म प्रकृति**–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) अन्य दर्शनों में कर्मों की कितनी अवस्थाएं बताई गई हैं और वे जैन दर्शन की कौन सी अवस्थाओं की समानार्थक हैं? नाम बतायें।

(ख) स्थावर नाम, दुर्भग नाम, अस्थिर नाम किसे कहते हैं?

(ग) स्थिति बंध किसे कहते हैं?

(घ) कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी निमित्त के विषय में बतायें?

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय एवं तृतीय खण्ड)–20

प्र. 8 **बावन बोल–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) आठ आत्मा में सावद्य कितनी? निरवद्य कितनी?

(ख) पहले से आठवें गुणस्थान में आश्रव के बोल कौन-कौन से पाते हैं?

(ग) दया, हिंसा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) सम्यक्त्व, मिथ्यात्व कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ड़) आठ आत्मा के मूलगुण व उत्तरगुण कौन से हैं? नाम बतायें।

प्र. 9 **इक्कीस द्वार–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें(कितने व कौन-कौन से)– 6

(क) वेदक सम्यक्त्व किसे कहते हैं?

(ख) मनुष्य में जीव के भेद, दण्डक, वीर्य, भाव?

(ग) कायपरीत का अर्थ बताते हुए बतायें कि उसमें कौन से जीव आते हैं?

(घ) केवलदर्शनी में गुणस्थान, उपयोग, लेश्या, पक्ष?

(ड़) सज्ञानी में जीव के भेद, गुणस्थान, दण्डक, दृष्टि।

प्र. 10 **जैन तत्त्व प्रवेश–**निम्न प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखें– 8

(क) धर्म-अधर्म द्वार में धर्म के दस भेद से शुरू करते हुए अधर्म के पांच भेद तक लिखें।

(ख) गुणस्थान द्वार–सातवें गुणस्थान से अंतिम गुणस्थान तक लिखें।

(ग) दृष्टिवाद के पांच भेद, उपांग व मूल चार लिखें?

(घ) पुण्य-पाप द्वार लिखें।

लघु दण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 11 **लघु दण्डक–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) लेश्या किसे कहते हैं? प्रथम तीन नारकी में लेश्या कितनी व कौन-कौन सी पाती है?

(ख) संज्ञी असंज्ञी द्वार लिखें?

(ग) एक वेद किनमें व कौन सा पाता है, नाम बतायें?

(घ) परिगृहीत व अपरिगृहीत देवियां कौन होती है? पहले देवलोक की परिगृहीत व अपरिगृहीत देवियों की स्थिति बतायें?

(ड़) समुद्घात-असमुद्घात मरण द्वार लिखें।

प्र. 12 **पांच ज्ञान–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) वर्धमान अवधिज्ञान को समझाएं?

(ख) मनःपर्यवज्ञान के प्रकार के बारे में बताते हुए मनःपर्यवज्ञान का विषय द्रव्यतः बतायें?

(ग) अवधिज्ञान और मनःपर्यवज्ञान का अंतर क्षेत्र, स्वामी और विषय के भेद से समझायें?

(घ) श्रुतनिश्रित मतिज्ञान के प्रकार व प्रकार के बारे में व कालमान बतायें?

संजया-नियंठा–20

प्र. 13 **संजया–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) छेदोपस्थापनीय विशुद्धि चारित्र की गति-स्थिति-पदवी द्वार लिखते हुए टिप्पण पर आधारित व्याख्या करें?

(ख) परिहार विशुद्धि चारित्र की स्थिति द्वार बताते हुए बतायें कि अनेक जीवों की अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(ग) सूक्ष्म संपराय चारित्र व सन्निकर्ष द्वार लिखते हुए टिप्पण पर आधारित व्याख्या करें?

(घ) यथाख्यात चारित्र का प्रव्रज्या द्वार लिखें।

(ड़) सूक्ष्म संपराय चारित्र का क्षेत्र द्वार लिखते हुए टिप्पण पर आधारित व्याख्या करें।

प्र. 14 **नियंठा–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पुलाक का काल द्वार लिखें।

(ख) जयाचार्य ने भगवती की जोड़ में अप्रतिसेवी पाठ के संबंध में अपना क्या अभिप्राय बताया है? स्पष्ट करें।

(ग) निर्ग्रंथ का क्षेत्र द्वार टिप्पण के आधार पर बतायें?

(घ) बकुश का गति-पद्वी-स्थिति द्वार लिखें।